जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
संस्कृत–विभाग

बी.ए. तृतीय वर्ष 2019–20
संस्कृत

नोटः इस परीक्षा में दो प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

प्रथम प्रश्न–पत्र
नाटक तथा व्याकरण

पाठ्यक्रमः–

इकाई 1 : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 4 अंक) कालिदास

इकाई 2 : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5 से 7 अंक) कालिदास

इकाई 3 : निर्धारित कृत् प्रत्यय शब्द रूप तथा धातुरूप

(क) कृत्प्रत्यय –
ण्वुल्, तृच्–ण्वुल्तृचौ
अण्–कर्मण्यण्
अच्, ल्यु, णिनि–नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः, सुप्यजातौ णिनिस्ताच्छील्ये, एरच्
घञ्–भावे
अप्–ऋृदोरप्
खल्–ईषद्दुःसुषु कृच्छ्राकृच्छ्रार्थेषु खल्
णमुल्–आभीक्ष्ण्ये णमुल् च, नित्यवीप्सयोः
उपर्युक्त सूत्रों के आधार पर दो शब्दों (विकल्प सहित) की सूत्रोल्लेखपूर्वक व्युत्पत्ति का एक प्रश्न

(ख) लघुसिद्धान्त कौमुदी के अजन्त पुल्लिङ्ग प्रकरण के 'राम' शब्द की सूत्र सहित रूपसिद्धि

(ग) धातुरूप– निम्नाङ्कित धातुओं में से लट्, लोट्, लृट्, लङ्. एवं विधिलिङ्. लकारों में दो धातु रूपों (विकल्प सहित) का निर्दिष्ट लकार एवं पुरुष सम्बन्धी प्रश्न धातु रूप –
हस्, पठ्, दृश्, स्था, वृत्, भ्रम्, तुद्, इण्, सिच्, चर्, गण्, चिन्त्, अस्, हन्, दा, कृ, ज्ञा, तन्, ब्रू, हा, जन्

इकाई 4 : निर्धारित तद्धित प्रत्यय

ठक्–रेवत्यादिभ्यष्ठक्, ठस्येकः, किति च
मतुप्–तदस्यास्त्यस्मिन्निति मतुप्, वसोः सम्प्रसारणम्
इमनिच्–पृथ्वादिभ्य इमनिज्वा, र ऋतो हलादेर्लघोः
अण्– अश्वपत्यादिभ्यश्च, तस्यापत्यम्, ओर्गुणः, शिवादिभ्योऽण्
छ–वृद्धिर्यस्याचामादिस्तद्वृद्धम्, त्यदादीनि च, वृद्धाच्छः, गहादिभ्यश्च, जिह्वामूलाङ्गुलेश्छः
तरप्, ईयसुन्–द्विवचनविभज्योपपदे तरबीयसुनौ
इष्ठन्, तमप्–अतिशायने तमबिष्ठनौ
च्वि–अभूततद्भाव इति वक्तव्यम्, कृभ्वस्तियोगे सम्पद्यकर्तरि च्विः, अस्य च्वौ
वति–तेन तुल्यं क्रिया चेद्वतिः
मयट्–नित्यं वृद्धशरादिभ्यः, तत्प्रकृतवचने मयट्
कल्पप्, देश्य, देशीयर्–ईषदसमाप्तौ कल्पब्देश्यदेशीयरः
ढक्–स्त्रीभ्यो ढक्, नद्यादिभ्यो ढक्
साति–विभाषा साति कात्स्न्र्ये

डतरच्–किंयत्तदोः निर्धारणे द्वयोरेकस्य डतरच्
डतमच्–वा बहूनां जातिपरिप्रश्ने डतमच्

इकाई 5 : निर्धारित समास

समास
अव्ययीभाव–अव्ययं विभक्ति समीपसमृद्धिर्व्यृध्द्यर्थाभावात्ययासम्प्रति–
शब्दप्रादुर्भावपश्चाद्यथानुपूर्व्ययौगपद्यसादृश्यसम्पत्तिसाकल्यान्तवचनेषु
तत्पुरुष–द्वितीयाश्रितातीतपतितगतात्यस्तप्राप्तापन्नैः, कर्तृकरणे कृता बहुलम्,
चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः, पञ्चमी भयेन,
स्तोकान्तिकदूरार्थकृच्छ्राणि क्तेन, पञ्चम्याः स्तोकादिभ्यः, षष्ठी, सप्तमी
शौण्डैः
द्विगु–संख्यापूर्वो द्विगुः, तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च, द्विगुरेकवचनम्, स नपुंसकम्
उपपद–उपपदमतिङ्

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें –

अभिज्ञानशाकुन्तलम् : व्याख्याकार–राधावल्लभ त्रिपाठी, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
अभिज्ञानशाकुन्तलम् : डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
Abhijnana Sakuntalam: C.R. Devandhara, MLBD Delhi, 1991
Abhijnana Sakantalam: ed.A.B. Gajendra Gadkar Bombay, 1934
अभिज्ञानशाकुन्तलम् : वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा (उ.प्र.)
संस्कृत व्याकरण : श्री निवास शास्त्री
संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका : बाबूराम सक्सेना, रामनारायणलाल बेनी माधव, इलाहाबाद
संस्कृत व्याकरण कौमुदी (तृतीय भाग): पं. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
Higher Sanskrit Grammar (हिन्दी संस्करण) रू M.R. झंसम
प्रौढ़रचनानवाद कौमुदी : कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न–पत्र
वेद, उपनिषद्, भारतीय दर्शन, व्याकरण एवं निबन्ध

नोटः प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा।

इकाई 1 : वेद
(क) ऋग्वेद : अग्नि 1.1, विष्णु 1.154, हिरण्यगर्भ 10.121, वाक् सूक्त 10.125, संज्ञान सूक्त 10.191, इन्द्र सुक्त 2.12

इकाई 2 : कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)

इकाई 3 : व्याकरण
(क) लघुसिद्धान्तकौमुदी के निर्धारित (लृट्, लङ्.) लकारों में भू धातु के छः में से तीन रूपों की सिद्धि
(ख) एध् धातु के चार में से दो रूपों की सिद्धि। निर्धारित लकार –लट् लोट्, लृट्, लङ्, विधिलिङ्

इकाई 4 : भारतीय दर्शन के सिद्धान्त
अ. कार्यकारणभावसिद्धान्त
ब. ईश्वर
स. कर्मसिद्धान्त तथा पुनर्जन्म
द. निष्काम कर्म
य. प्रतीत्यसमुत्पाद
र. अनेकान्तवाद

इकाई 5 : निबन्ध
संस्कृत अनुच्छेद/निबन्ध लेखन

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – **20 अंक**
1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – **35 अंक**
1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्न करने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – **45 अंक**
1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

New Vedic Selection Part I & II : Telanga & Chaube, Bhartiya Vidya Prakashan, Delhi
वेदचयनम्: व्याख्याकार, विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
कठोपनिषद्: गीता प्रेस, गोरखपुर
कठोपनिषद् : व्याख्याकार, सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
लघुसिद्धान्त कौमुदी : अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, झालानियों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर।
भारतीय दर्शन का इतिहास : बलदेव उपाध्याय
भारतीय दर्शन : चन्द्रधर शर्मा
भारतीय दर्शन : नन्दकिशोर देवराज, हिन्दी समिति लखनऊ
भारतीय दर्शन का परिचय : चटर्जी एवं दत्त
संस्कृत निबन्ध कलिका : रामजी उपाध्याय, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली